RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 सीजनल नहीं इंसानी कहानियां...

वर्ष : 27 | अंक : 232 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 11 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

यूपी विधानसभा में हंगामा

सपा शासन में दहशत का माहौल था : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन ही विपक्ष के सांसदों ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ जमकर हंगामा किया। विपक्ष के विधायकों ने बेल में उतरकर नारेबाजी की जिसके बाद सदन की कार्यवाही को कुछ मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। सदन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व की समाजवादी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया और कहा कि सपा हर जगह अराजकता करती है। सपा के शासन में उत्तर प्रदेश में हर जगह दहशत का माहौल था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र आज शुरू हुआ। चार दिनों तक चलने वाले सत्र के जरिए योगी सरकार एक नया रिकॉर्ड बनाने जा रही है। 13 अगस्त को विकास के मुद्दे पर नॉन-स्टॉप 24 घंटे तक सदन में चर्चा होगी। योगी सरकार की रणनीति सत्र के दौरान बांके बिहारी कॉरिडोर ऑर्डिनेंस सहित कई अहम विधेयक पास कराने की है।

विधानसभा के मानसून सत्र को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? लोकतंत्र की बात करना उन्हें शोभा नहीं देता। संभल में उन्होंने क्या किया, यह सबको पता है। संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा की करतूतों से सब वाकिफ हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अगर एनडीए सरकार विकास करना चाहती है, तो आपको (समाजवादी पार्टी) बुरा लग रहा है। हम पूरे प्रदेश के व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सपा शासन में व्यापारियों पर गुंडा टैक्स लगाया जाता था। इसी वजह से व्यापारी आपसे नाराज हैं और समाजवादी पार्टी को इसका खामियाजा बार-बार भुगतना पड़ रहा है। व्यापारियों के विकास के लिए कदम उठाने के बजाय, उन्होंने (समाजवादी पार्टी ने) उनके रास्ते में रोड़े ही अटकाए हैं। समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह सुरक्षा की बात करेगी और अच्छे विकास का समर्थन करेगी। सपा ने यूपी में विकास के लिए कुछ नहीं किया। समाजवादी पार्टी की सोच नकारात्मक है।

पीएम मोदी का सांसदों को नए फ्लैटों का गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर संसद सदस्यों के लिए नवनिर्मित 184 टाइप-VII बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। इससे पहले पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा भी लगाया। सांसदों के लिए नए फ्लैटों का निर्माण गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व लोकसभा सांसद आवास समिति के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा की देखरेख में हुआ है।

उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले मैंने कर्तव्य पथ ओर कर्तव्य भवन का लोकार्पण किया था। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे (शेष पृष्ठ-4 पर)

पीएम मोदी ने सांसदों को दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कहा कि आज मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए इस आवासीय परिसर का उद्घाटन करने का अवसर मिला। मैं सभी सांसदों को बधाई देता हूं। मैं इन फ्लैटों के निर्माण में शामिल सभी इंजीनियरों और श्रमिक मित्रों की भी सराहना करता हूँ, जिनकी कड़ी मेहनत से यह परियोजना संभव हो पाई है।

दुःखद हादसा : मदद को पहुंचे हेड कांस्टेबल को ट्रक ने कुचला

गाजियाबाद (ब्यूरो)। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर भोजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) में जोरदार टक्कर मार दी।

इस हादसे में पीआरवी पर तैनात एक सिपाही की मौत हो गई जबकि दूसरे सिपाही की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान हैड कांस्टेबल अनुज चौधरी निवासी मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। हादसे में अनुज के दोनों पैर शरीर से अलग हो गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। 2011 में पुलिस में भर्ती हुए थे। सहायक पुलिस आयुक्त (शेष पृष्ठ-4 पर)

फतेहपुर में मकबरे परिसर में तोड़फोड़

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के अबू नगर में बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठनों के सदस्य और कई अन्य लोग एक पुराने ढाँचे/मकबरे के परिसर में घुस गए और दावा किया कि यह एक मंदिर है और यहाँ पूजा-अर्चना करने की माँग की। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से ढाँचे में तोड़फोड़ करते देखा गया। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। जानकारी मिली है कि मकबरे के बाहर बनी मजार में तोडफोड़ की गई। हिन्दु संगठन बजरंग दल ने ढाँचे को मंदिर बताते हुए यहाँ पूजा-अर्चना करने की माँग की है।

एसआईआर को लेकर इंडिया ब्लॉक का मार्च

राहुल, प्रियंका समेत कई सांसद हिरासत में लिए गये

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने चुनाव आयोग तक मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें चुनाव आयोग तक नहीं जाने दिया गया। विपक्ष के कई सांसदों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हिरासत के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने के लिए है। सरकार खुलेआम वोट चोरी कर रही है। प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद व राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेट को लांघकर सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। आज सुबह कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों के सांसद संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र हुए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कुख्यात माफिया रवि काना गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा से लेकर पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रवि काना का नाम सब जानते हैं। रवि काना कुख्यात माफिया है। रवि काना ने एक बड़ा गिरोह बनाकर स्क्रैप के कारोबार को बड़ा धंधा बना रखा है। रवि काना को नोएडा कमिश्नरी पुलिस कई महीने पहले जेल में भेज चुकी है। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा मामलों में रवि काना के विरूद्ध कठोर (शेष पृष्ठ-4 पर)

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे और पत्थर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के ग्राम खानपुर गांव के वाल्मीकि मोहल्ले में दो पक्षों में वाद विवाद हो गया। वाद-विवाद इस कदर बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे व ईंट पत्थर चले। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के साथ लोगों को हिरासत में ले लिया है और अन्य लोगों की तलाश कर रही है। बीती शाम डॉयल-112 पर पुलिस को सूचना मिली कि खानपुर गांव में दो पक्षों के बीच झगड़ा हो रहा है। मौके पर तुरंत पीआरबी पहुंच गई इसके बावजूद भी दोनों पक्षों में झगड़ा बंद नहीं हुआ। सूचना के आधार पर गांव में पहुंची थाना कासना पुलिस टीम को दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे पर लाठी डंडे बरसते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने किसी तरह झगड़े (शेष पृष्ठ-4 पर)

दो बाइक भिड़ी, युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के पटवाडी गोल चक्कर के पास दो बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में घायल हुए एक बाइक सवार की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मूल रूप से ग्राम साधारनपुर मेरठ निवासी रजाउद्दीन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई छकउद्दीन 11 जुलाई को किसी आवश्यक कार्य से बाइक से गाजियाबाद गया था सुबह के समय घर वापस लौटते समय पटवाड़ी गोल चक्कर से आगे पीछे से आ रहे बाइक चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में छकउद्दीन को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद पुलिस ने उसे उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उसके भाई की मौत हो गई। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर बाइक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने (शेष पृष्ठ-4 पर)

पड़ोसी भगा ले गया किशोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के रोजा याकूबपुर गांव से एक किशोरी को पड़ोसी बहला-फुसलाकर भाग ले गया। किशोरी अपने साथ घर से 20 हजार रुपए व सोने के जेवरात भी अपने साथ ले गई है।

रोजा याकूबपुर गांव में किराए पर रहने वाली संजना (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 30 जुलाई को उनकी (15 वर्षीय) बेटी घर से बिना बताए चली गई। देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की गई। लोगों ने बताया कि उसकी बेटी को राहुल पुत्र सुरेश जाटव बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया है। इस दौरान उसे पता चला कि उसकी बेटी घर में रखें 20 हजार रुपए व सोने के कुछ जेवरात भी अपने साथ ले गई है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

शराब देने से मना करने पर सेल्समैन की धुनाई

नोएडा (चेतना मंच)। दुकान बंद करते समय शराबियों को शराब न देना एक सेल्समैन को खासा भारी पड़ा। शराब न मिलने से गुस्साए शराबियों ने सेल्समैन के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित सेल्समैन ने थाना सेक्टर-20 में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मूल रूप से सरदार नगर बुलंदशहर निवासी अशोक कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले 5 वर्ष से सेक्टर-18 में अंग्रेजी शराब की दुकान पर कार्यरत है। 10 अगस्त की रात्रि को 10 बजे वह शराब (शेष पृष्ठ-4 पर)

अक्टूबर में शुरू होगा सेक्टर-62 मॉडल टाउन पर स्काईवॉक

निविदा जारी, निर्माण में लगेगी 38 करोड़ की लागत, एक वर्ष में होगा पूरा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोल चक्कर पर 38 करोड़ की लागत से बनने वाले स्काई वॉक का कार्य अक्टूबर में शुरू हो जाएगा। इसको पूरा होने में करीब 1 वर्ष लगेगा। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। यह स्काईवॉक अंगूठी के आकार गोल होगा।

प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि टेंडर जारी कर दिया गया है। 21 अगस्त तक कंपनियां आवेदन कर सकते है। 22 अगस्त को कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। संभवता अक्टूबर में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। जिसे एक साल में पूरा करना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईवॉक 530 मीटर लंबा और 4 मीटर चौड़ा होगा। यह स्काईवॉक, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर खोड़ा कॉलोनी की तरफ बने एफओबी को जोड़ते हुए बनाया जाएगा। इसके बाद जीरो के आकार में बनाते हुए छिजारसी की तरफ बनेगा। मॉडल टाउन गोल चक्कर के चारों तरफ जीरो आकार में बनेगा।

आने वाले समय में यहां पर भी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को जोड़ते हुए नया एफओबी बनाया जाएगा। ये एफओबी सीधे तौर पर नोएडा और गाजियाबाद को जोड़ेगा। जिससे रोजाना करीब 60 हजार से (शेष पृष्ठ-4 पर)

त्वरित कार्यवाही के मामले में जनस्वास्थ्य विभाग का जवाब नहीं

सूचना देने के 20 मिनट के भीतर बीमार गौवंश को पशु चिकित्सालय भेजा

नोएडा (चेतना मंच)। शहरवासी नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के त्वरित एक्शन को लेकर सराहना कर रहे हैं। आज फिर जनस्वास्थ्य विभाग ने अपनी त्वरित कार्यप्रणाली को साबित कर दिखाया है।

दरअसल सेक्टर-12-22 के चौराहे पर एक गाय बीमार अवस्था में पड़ी थी तथा चल-फिर नहीं पा रही थी। गाय बैठे-बैठक गोबर तथा मूत्र विर्सजन कर रही थी। उसकी असहाय हालत देखकर **चेतना मंच** ने फोटो खींचकर जन स्वास्थ्य विभाग के खण्ड-1 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल को भेजी। उन्होंने मात्र 15-20 मिनट के अंदर टीम भेजकर बीमार गाय को वहां से

उठवाया तथा इलाज के लिए सेक्टर-94 स्थित पशु चिकित्सालय भिजवा दिया। इस त्वरित कार्यवाही पर आसपास के लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग की काफी सराहना की।

लोगों ने बताया कि कभी भी चाहे कूड़े का ढ़ेर हो तथा बीमार गौवंश या अन्य जानवर हो, शिकायत करने पर जनस्वास्थ्य विभाग त्वरित कार्रवाई करता है। लोगों ने विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (खण्ड-।) गौरव बंसल तथा (खण्ड-।।) आर.के. शर्म व पूरी टीम की सराहना की।

ट्रंप टैरिफ का आंतक

दे श को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार,प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंतत: इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग- विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। वह भारत के बाजार को अपने डेरी उत्पादों के लिये डंपिंग ग्राउंड बनाने पर आमादा है। निस्संदेह, डोनाल्ड ट्रंप के हमले का सामना करने के लिये भारतीय कृषि बाजार को अधिक लचीला और लाभदायक बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर भारतीय किसानों पर बढ़ता भारी कर्ज भी एक चिंताजनक स्थिति है। खासकर देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राज्य पंजाब और हरियाणा में। साथ ही केंद्र सरकार को किसानों की आय बढ़ाने वाले उपायों पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें।

वोट बैंक लालच ने हिमाचल-उत्तराखंड को बर्बाद किया

लो कतंत्र में चुनी हुई सरकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए दूरदृष्टि के साथ दूरगामी विकास को सिरे चढ़ाया जाए। इसके विपरीत नेताओं को सिर्फ वोट बैंक की चिंता है। इसके लिए तात्कालिक विकास की नीतियों के फायदे के लिए लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने के साथ ही पर्यावरण के विनाशकारी प्रभावों की अनदेखी करना आम है। यही वजह है कि हिमाचल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ी लताड़ लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर अनियंत्रित विकास और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां नहीं रोकी गईं, तो एक दिन पूरा हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हिमाचल में बदलते पर्यावरण को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के अगले ही दिन उत्तराखंड के चमोली में चमोली जिले में हेलंग के समीप निर्माणाधीन एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट साइट के पास पहाड़ एक बार फिर से ढहकर धड़ाम से नीचे गिर गया। इस हादसे में कंपनी के 8 मजदूर घायल हो गए। साइट पर हादसे के वक्त करीब 300 मजदूर थे। जहां पर लैंडस्लाइड हुआ वहां पर 70 के करीब मजदूर कार्य कर रहे थे। ऐसे हादसों के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के राज्यों की सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा है। इन राज्यों में विकास के नाम पर बर्बादी की कहानी लिखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कहा कि सरकारों का मकसद राजस्व बढ़ाना नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाना होना चाहिए खासकर ऐसे संवेदनशील इलाकों में। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक होटल कंपनी की याचिका खारिज करते हुए की। यह कंपनी जून 2025 की उस अधिसूचना के खिलाफ थी, जिसमें हिमाचल के श्री तारा माता हिल को ग्रीन एरिया घोषित कर नई प्राइवेट कंस्ट्रक्शन पर रोक लगा दी गई थी। बेंच ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इस साल भी बाढ़ और भूस्खलन में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घर तबाह हो गए। यह साफ है कि प्रकृति इंसानी

गतिविधियों से नाराज है। कोर्ट ने आगे कहा कि केवल प्रकृति को दोष देना गलत है। हिमाचल में पहाड़ों का खिसकना, सड़कों पर लैंडस्लाइड, मकानों का गिरना और सड़क धंसना, ये सब इंसानों की छेड़छाड़ का नतीजा है।

कोर्ट ने भाखड़ा और नाथपा झाकड़ी जैसे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना सही भूगर्भ जांच और पर्यावरण अध्ययन के ये प्रोजेक्ट्स पहाड़ों को कमजोर कर रहे हैं। न्यूनतम जल प्रवाह का पालन न होने से नदियों में जलीय जीवन खत्म हो रहा है। आज सतलुज नदी एक नाले जैसी हो गई है। कोर्ट ने साफ किया कि अब समय रहते सख्त कदम न उठाए गए तो हिमाचल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक सदी में हिमाचल प्रदेश में औसत तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यह जलवायु परिवर्तन का एक स्पष्ट संकेत है, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में आपदाओं की संख्या में तापमान में वृद्धि के कारण, बारिश की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि हुई है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएँ आ रही हैं। हिमाचल के पांच जिले (चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी) भूकंप के लिए अति संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। भूकंप और लगातार बारिश से पहाड़ कमजोर हो जाते हैं, जिससे भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती हैं। हिमाचल में लगभग 58.36 प्रतिशत भूमि तीव्र मिट्टी कटाव के खतरे में है। भारी बारिश के कारण मिट्टी बह जाती है, जिससे पहाड़ों की स्थिरता कम होती है और भूस्खलन का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे नदियों में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में अनियोजित-अवैज्ञानिक विकास कार्यों ने आपदाओं को और बढ़ावा दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। नदियों का प्रवाह बाधित होता है। वर्ष 2023 में कुल्लू और सैंज वैली में मलाना, सैंज और पार्वती प्रोजेक्ट्स के पास भारी नुकसान हुआ। मंडी, कुल्लू और शिमला में सड़क निर्माण के कारण बारिश में स्लिप और भूस्खलन की घटनाएं आम हैं। शिमला जैसे शहरों में बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं, जो पर्यावरणीय चेतावनियों को नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल में जंगलों को काटकर बिजली प्रोजेक्ट्स, सड़कों और पर्यटन के लिए जगह बनाई जा रही है।

वर्ष 1980 से 2014 तक किन्नौर में 90 प्रतिशत जंगल गैर-वन गतिविधियों के लिए हस्तांतरित किए गए, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की स्थिरता को नुकसान हुआ। हिमाचल में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, खासकर कुल्लू, मनाली और शिमला जैसे क्षेत्रों में। इससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। होटल, रिसॉर्ट्स और अन्य निर्माण कार्यों के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होता। इससे जल स्रोत और नदियां प्रदूषित होती हैं। बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। पिछले कुछ सालों में हिमाचल में आपदाओं की संख्या और तीव्रता बढ़ी है। वर्ष 2021 में 476 लोगों की मृत्यु और करीब 1151 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वर्ष 2022 में 276 लोगों की मृत्यु और 939 करोड़ रुपये का नुकसान, वर्ष 2023 में 404 लोगों की मृत्यु तथा 12000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसी तरह पिछले वर्ष 2024 में 358 लोगों की मृत्यु, 1004 घर क्षतिग्रस्त, और 7088 पशु हानि और 18 बादल फटने की घटनाओं ने 14 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को नुकसान पहुंचाया। कमोबेश ऐसे ही विनाशकारी हालात उत्तराखंड के हैं। इस साल भी बारिश के कारण उत्तराखंड में एक जून से लेकर अभी तक प्राकृतिक आपदाओं में 25 लोगों की मौत हुई है। उत्तराखंड में नदियां अक्सर भारी बारिश के कारण उफान पर आ जाती हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन होता है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ ने व्यापक विनाश किया था। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में 17 प्रमुख बादल फटने की घटनाएं हुईं। जिससे 34 लोगों की मौत हो गई और 106 घर दब गए। आश्चर्य यह है कि इन दोनों राज्यों की सरकारों ने इन प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखा। दोनों राज्यों में विकास के नाम अदूरदर्शी प्रतिकूल पर्यावरणीय गतिविधियां जारी हैं। इससे जाहिर है कि नेताओं की नजरें सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रहती हैं, लोगों की जान-माल की यदि परवाह होती तो दोनों राज्यों के हालात इतने बदतर नहीं होते।

- योगेन्द्र योगी

भारत का दुखदाई मित्र (ट्रबलसम फ्रेंड) डोनाल्ड ट्रंप

अ मेरिका के इतिहास में नजर डाली जाए तो डोनाल्ड ट्रंप देश के 47 वें राष्ट्रपति बने हैं। अमेरिका में सर्वप्रथम अप्रैल 1789 में जॉर्ज वाशिंगटन राष्ट्रपति बने थे। उसके बाद जॉन ऐडम्स, थॉमस जेफरसन,जेम्स मेडिसिन अमेरिका के राष्ट्रपति रहे। परंपरागत रूप से सभी राष्ट्रपति काफी शालीन और शक्तिशाली किन्तु संतुलित निर्णय लेने वाले रहे हैं। अब्राहम लिंकन अमेरिका के ऐसे उल्लेखनीय 16वें राष्ट्रपति बनें जिन्होंने अपने देश में अनेक सामाजिक परिवर्तन भी किए थे। उन्होंने दास प्रथा उन्मूलन में महत्वपूर्ण कदम उठाए। वे अमेरिका में 1861 से लेकर उनकी हत्या 1865 तक राष्ट्रपति रहे और उन्हें अमेरिका में अभी भी शहीद तथा राष्ट्रीय नायक के रूप में याद किया जाता रहा है। इसके ठीक विपरीत अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप 47 वे रिपब्लिकन पार्टी के विवादास्पद राष्ट्रपति बने हैं।राष्ट्रपति पद के अपने दूसरे कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप जनवरी 25 से लेकर अब तक अपने दिमागी असंतुलन और अजीबोगरीब नीतियों के कारण वैश्विक चर्चा का हॉट टॉपिक बन चुके हैं। विश्व के भारत सहित अनेक देशों पर अमेरिका में आयात किया जा रहे उत्पादों पर 12 से लेकर 50त्न तक टैरिफ आरोपित करना शुरू कर दिया है।जिससे विश्व के आर्थिक जगत में बेचैनी बढ़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर आवश्यक वस्तुओं के अमेरिकी निर्यात पर 25 से 50त्न तक शुल्क लगाने की आधिकारिक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं ।

इसके पूर्व भारत के प्रधानमंत्री तथा अमेरिकी राष्ट्रपतियों जिनमें उल्लेखनीय तौर पर बराक ओबामा, जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल तक संबंध काफी अच्छे और मित्रता पूर्वक रहे हैं। भारत और अमेरिका परंपरागत तरीके से व्यापार के साझेदार भी रह चुके हैं। भारत ने अमेरिका से अस्त्र-शस्त्र तथा कई आवश्यक सामग्रियां भी खरीदी हैं और इसके बदले भारत जेनेरिक दवाइयां एवं अन्य सामग्रियां का अमेरिका को निर्यातक रहा है। उसके बाद जाने क्यों डोनाल्ड ट्रंप का जनवरी 25 से लेकर अब तक भारत के प्रति रवैया धीरे-धीरे बदल गया

है और उन्होंने इस दौरान भारत से अपने व्यापारिक संबंध काफी उदासीन कर लिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप व्यापारिक पृष्ठभूमि से राष्ट्रपति बने हैं लाजमी है कि वे अपने देश से व्यापार करने वाले अन्य देशों से अमेरिका के लिए अधिकतम लाभ लेना चाहेंगे। उन्होंने भारत के अलावा अन्य कई देशों पर भारी टैरिफ आरोपित करना शुरू कर दिया है। पर चीन बांग्लादेश पाकिस्तान पर उनकी नजीरें काफी इनायत रही है। इन देशों में केवल 12 से 20त्न तक ही शुल्क आरोपित किया है। इसके विपरीत भारत के द्वारा रुस से भारी मात्रा में तेल आयात करने से नाराज होकर कुछ दिनों पूर्व अमेरिका में भारत से आयातित सामानों पर 25त्न टैरिफ लगाकर अब उसे बढ़ाकर 50त्न तक कर दिया है। उसकी समय सीमा भी तय कर दी है। भारत ने इस संदर्भ में अपना रुख स्पष्ट कर कहा है कि भारत अपने देश के उत्पादों पर और 142 करोड़ की जनता के साथ अन्याय नहीं होने देगा।

अब भारत के इस नए आक्रामक रुख जिसमें रूस की तरफ अपनी दोस्ती को नया आयाम देने की पेशकश कर राष्ट्रपति पुतिन को भारत आमंत्रित किया है। अब राष्ट्रपति पुतिन अक्टूबर में भारत आएंगे। दूसरी तरफ भारतीय प्रधानमंत्री चीन की यात्रा पर भी जाएंगे।

नए समीकरण से वैश्विक स्तर पर अमेरिका सहित देशों में बेचैनी बढ़ गई है। इसे नई त्रिकोणीय युति की तरह देखा जा रहा है। चीन की तरफ भारत के रुख और चीन का भारत के प्रति नई व्यावसायिक मित्रता को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। इन सब-नए समीकरणों में अमेरिका ने ब्राजील के ऊपर भी 50त्न टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने भारत के प्रधानमंत्री से टेलीफोन एक वार्ता कर खलबली मचा दी है। अब भारत रूस चीन और ब्राजील एक होकर अमेरिका का लगभग बायकाट करने की स्थिति में आ गए हैं।

विश्व के अनेक कूटनीतिज्ञ और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अब यह भविष्य ही बताया कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी घोषणाओं पर कितना अधिक टिक सकते हैं और उनके निर्णय कितने दिन तक स्थिर रहेंगे। अमेरिका न सिर्फ भारत के लिए दुखदाई मित्र बन गया है बल्कि उनके अभिन्न मित्र टेस्ला के मालिक एलन मस्क जिन्होंने उनके चुनाव में अरबो रुपए खर्च किए थे उनका भी वह शत्रु बन गया है। इसके अलावा वे अनेक देशों पर भारी टैरिफ लगाकर उन्हें अपना विरोधी बना चुके हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना नया चेला बना लिया है,अमेरिका चीन के साथ बलूचिस्तान में चीन पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर को खत्म कर अपना सामरिक अड्डा बनाना चाहता है और बलूचिस्तान में खनिज पदार्थों पर भी कब्जा जमाना चाहता है। उसके बदले पाकिस्तान अमेरिका से भारी आर्थिक मदद की उम्मीद लगाए बैठा है।

यह तो भविष्य ही बताएगा कि भारत इस 50त्न टैरिफ वाले व्यापारिक अमेरिकी दबाव के सामने क्या कूटनीति रणनीति और व्यापारिक नीति बनाता हैं। पर अब यह तय हो गया है कि भारत चीन रूस और ब्राजील की इस नई कूटनीति पर अमेरिका जरूर बेचैन और परेशान है यह आर्थिक विश्व युद्ध कब तक चलेगा और इसका भविष्य क्या होगा यह तो वक्त ही बताएगा।

संजीव ठाकुर,
लेखक, चिंतक, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भगवान उस माया को भौंह के इशारे पर नचाते हैं। ऐसे प्रभु को छोड़कर कहो, (और) किसका भजन किया जाए। मन, वचन और कर्म से चतुराई छोड़कर भजते ही श्री रघुनाथजी कृपा करेंगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि सिसुबिनोद प्रभु कीन्हा।
सकल नगरबासिन्ह सुख दीन्हा॥

लै उछंग कबहुँक हलरावै। कबहुँ पालने घालि झुलावै॥

इस प्रकार से प्रभु श्री रामचन्द्रजी ने बालक्रीड़ा की और समस्त नगर निवासियों को सुख दिया। कौसल्याजी कभी उन्हें गोद में लेकर हिलाती-डुलाती और कभी पालने में लिटाकर झुलाती थीं॥

दो0-प्रेम मगन कौसल्या निसि दिन जात न जान।
सुत सनेह बस माता बालचरित कर गान॥

प्रेम में मग्न कौसल्याजी रात और दिन का बीतना नहीं जानती थीं। पुत्र के स्नेहवश माता उनके बालचरित्रों का गान किया करतीं॥

एक बार जननीं अन्हवाए। करि सिंगार पलनाँ पौढ़ाए॥
निज कुल इष्टदेव भगवाना। पूजा हेतु कीन्ह अस्नाना॥

एक बार माता ने श्री रामचन्द्रजी को स्नान कराया और श्रृंगार करके पालने पर पौढ़ा दिया। फिर अपने कुल के इष्टदेव भगवान की पूजा के लिए स्नान किया॥

(क्रमश:...)

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष, द्वितीया — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन डरा रहेगा। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम रहेगी। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कोर्ट-कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यावसायिक कोई नई शुरुआत न करें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भाग्य पर भरोसा करके कोई कार्य न करें। इन दिनों भाग्य साथ नहीं देगा और किसी भी तरीके की कोई अपमानित होने जैसी घटना हो सकती है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई भी रिस्क मत लीजिए। चोट-चपेट लग सकती है। वाहन धीरे चलाएं।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वंय के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में रिस्क है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रु बहुत ही डिस्टर्ब करने की कोशिश करेंगे और डिस्टर्बेंस बनी रहेगी लेकिन जीत आपकी होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में रहेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित होगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

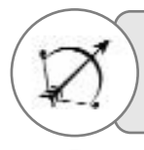

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान, गला की परेशानी होगी। व्यावसायिक बहुत अच्छी स्थिति नहीं है। प्रेम, संतान अच्छा है और स्वास्थ्य भी मध्यम है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर लगाम रखें। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
अज्ञात भय सताएगा। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान मध्यम है।

जेल में मना रक्षाबंधन का पर्व

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री एवं कारागार मंत्री के द्वारा दिये गये निर्देशानुक्रम में रक्षाबंधन के अवसर पर कारागार में निरूद्ध बंदियों के राखी आदि की समुचित व्यवस्था करायी गयी व रक्षाबंधन हर्शोल्लास के साथ मनाया गया।

महिला मुलाकाती बहनों द्वारा कारागार में आकर अपने भाईयों के रक्षाबंधन के अवसर पर उनको राखी बॉधते हुये उनके दीर्ध आयु की कामना की गयी। इस अवसर पर कारागार में सुरक्षा व्यवस्था की पूर्ण तैयारी करते हुए सतत् निगरानी रखी गयी, तथा महिला मुलाकाती बहनों को किसी प्रकार की असुविधा व परेशानी न होने पाये इसका पूरा-पूरा ध्यान रखा गया। महिला मुलाकातियों हेतु आकस्मिक चिकित्सीय व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु कारागार के चिकित्सक डा. विवेकपॉल सिंह के नेतृत्व में दिनेश कुमार वर्मा एवं शिवशंकर गौतम, फार्मासिस्ट के साथ कारागार के अन्दर एवं बाहर आवश्यक औषधियों सहित टीम गठित की गयी।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहानों हेतु कारागार प्रशासन एवं समाज सेवी संस्थाओं-रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के समाज सेवी मुकुल गोयल, मनोज गुप्ता, आलोक गोयल, द्वारा वेज बिरायानी, अपराध निरोधक समिति की टीम द्वारा शरबत एवं कल्चर होटल के मालिक हेमन्त शर्मा द्वारा चाय बिस्किट की व्यवस्था व बहानो के बैठने हेतु टेन्ट, कूलर इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। बहनों द्वारा मा0 मुख्यमंत्री, कारागार मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सभी समाज सेवी संस्थाओ की इस अच्छी व्यवस्था हेतु आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बृजेष कुमार अधीक्षक, संजय कुमार शाही, कारापाल, राजेश कुमार मौर्य, कारापाल सुरजीत सिंह, उपकारापाल, शिशिर कांत, उपकारापाल, मनोज कुमार सिंह उपकारापाल, अनूप कुमार,उपकारापाल, अनुज कुमार उपकारापाल, श्रीमती ज्ञानलतापाल उपकारापाल, एवं अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे तथा इनके द्वारा कारागार की उक्त व्यवस्थों के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद करें प्रदेश एवं बिहार के मुख्यमंत्री : अमरेश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं लोक जनशक्ति पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरेश श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश एवं बिहार सरकार से बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिहार एवं उत्तर प्रदेश के तटवर्ती इलाकों में जिस तरह से बाढ़ ने तबाही मचाई हैं उसे हजारों लोग बेघर हो गए हैं और उनके सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है उन्होंने उत्तर प्रदेश एवं बिहार के मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि सभी बाढ़ पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ ऐसा प्लान बनाना चाहिए जिससे हर साल हजारों लोग बाहर से बेघर हो रहे हैं उन्हें बचाया जा सके।

भाजपाईयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी जिला गौतमबुद्धनगर के कार्यकर्ताओं ने पाँच मंडलों में हर घर तिरंगा यात्रा निकाली और स्वच्छता अभियान चलाया जिसमे बिसरख मंडल में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा तिरंगा यात्रा जिला संयोजक धर्मेन्द्र कोरी बादलपुर मंडल में युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र अवाना पवन नागर दनकोर मंडल जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी जिला मंत्री विकाश चौधरी जारचा मंडल अभिषेक शर्मा धर्मेन्द्र कोरी दादरी नगर में दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा रहे ।

दादरी में विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने दादरी नगर में शहीद स्मारक स्थल से राव उमराव जी की प्रतिमा तक स्वछता अभियान और तिरंगा यात्रा पर कहा कि भाजपा पूरे देश में तिरंगा यात्रा और स्वच्छता अभियान चला रही है तिरंगा यात्रा अभियान आयोजन से जन जन में देश भक्ति की भावना जागृत होगी और देश की एकता को मजबूती मिलेगी।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा बिसरख मंडल में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश पर कहा कि यह यात्रा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और जन-जन में देशभक्ति की भावना जगाने का संकल्प है। उन्होंने कहा देश की आज़ादी की लड़ाई में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस लोक मान्य तिलक लाला लाजपतराय चन्द्रशेखर आज़ाद शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव रामप्रसाद बिसमिल झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई आदि लाखों लाखों क्रान्तिकारी शहीद हुए तब जाकर देश की आज़ादी मिली। आइए, हम सभी मिलकर अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के सम्मान और गर्व को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

तिरंगा यात्रा पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष देवा भाटी जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य mandal अध्यक्ष मुकेश चौहान राजीव सिंघल धीर राणा गजेन्द्र वाल्मीकि अभिषेक कौशिक संगीता रावल सुभाष बजरंगी प्रीति बघेल मनोज वर्मा सोनू वर्मा दीपक भैया सभासद संजय शर्मा जितेन्द्र सैन आदि सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा पर सैकड़ों सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाकियू (लोकशक्ति) का धरना जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाकियू (लोकशक्ति) का धरना सिब्बू मुखिया की अध्यक्षता तथा मास्टर श्यौराज राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के नेतृत्व में लगातार गांव रौनीजा पर जारी है।

आज धरने से पांच सदस्यीय टीम ने जाकर जेवर टोल पर आर ट्रेक्टर ट्राली की रुकावट पर जाकर टोल मैनेजर जेके शर्मा व अनुज चौधरी से वार्ता की तथा मामले का निस्तारण कराया गया पांच सदस्यीय टीम में मास्टर श्यौराज, विनोद चौधरी, प्रमोद शर्मा, अरुण चौधरी, महेश चौधरी, रविन्द्र अत्रि पदाधिकारियों ने एक घंटे चली बैठक के दौरान सभी समस्याओं का निदान कराया गया और आगे भी कोई समस्या पैदा न हो इसका आश्वासन टोल प्रबंधन यमुना एक्सप्रेस-वे ने दिया।,

धरने पर घनश्याम भाटी, धर्मपाल भाटी, नेत्रपाल सिंह शीले,हरियोम भाटी महेंद्र सिंह, गज़ब सिंह राजन सिंह, सुनिल भाटी, राहुल भाटी शिवरी आदि मौजूद रहे।

भाकियू (भानू) का हुआ संगठन विस्तार

नोएडा (चेतना मंच)। बरौला गांव में भारतीय किसान यूनियन (भानू) संगठन का हुआ विस्तार मुख्य अतिथि ठाकुर भानु प्रताप सिंह रहे पंचायत की अध्यक्षता प्रेम सिंह भाटी ने की और संचालन साहित्य कुमार चंचल ने किया।

इस मौके पर मनोज चौधरी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओर हेमू गुर्जर को राष्ट्रीय महामंत्री राजवीर मुखिया को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है मनोज चौधरी ने कहा जो जिम्मेदारी मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप ने दी है उसे बिल्कुल ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा सुभाष भाटी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल बेसोंया को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया तथा सैकड़ो लोगों ने भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ली अजब सिंह कसाना ने कहा संगठन में आस्था व्यक्त करते हुए आज सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ली और सभी ने एक साथ रहकर संगठन को मजबूत करने की बात कही संगठन मजबूत होने पर प्राधिकरण के खिलाफ संघर्ष करने की

बात कही है मीडिया प्रभारी सुभाष भाटी ने कहा भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन किसानों के लिए गरीबों के लिए संघर्ष करता रहता है इसी को देखते हुए आज बहुत लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है।

इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी अनिल बेसोंया राजकुमार नागर महकार नागर राजवीर मुखिया विकास गुर्जर सुभाष भाटी सतप्रकाश अवाना सुनील अवाना प्रकाश बेसोया पवन राजेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सीटू के बैनर तले कर्मचारियों ने दिया धरना

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- श्याम प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड बी 12/13 साइड बी सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया ग्रेटर नोएडा के मालिकान द्वारा गैरकानी तरीके से 15 श्रमिकों को नौकरी से निकाल देने और उनके कमाए हुए वेतन का भुगतान नहीं करने के विरोध में आज सीटू जिला कमेटी गौतम बुध नगर के बैनर तले सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर, सचिव रामस्वारथ के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कम्पनी के समक्ष जोरदार तरीके से धरना प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि मलिकान मजदूरों से काम तो करा लेते हैं लेकिन समय से उनका वेतन का भुगतान नहीं करते हैं, श्रमिक वेतन की मांग करते हैं तो उनके साथ बदतमीजी की जाती है।

सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पूरे देश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बहाने मतदाता सूची से नागरिकों को बाहर करने की साजिश के खिलाफ भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) गौतमबुधनगर कमेटी के कार्यकर्ताओं ने 8 अगस्त 2025 को जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को संबोधित ज्ञापन दिया। दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि बिहार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एस आई आर) के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा नागरिकता की जांच के नाम पर जिस प्रकार से व्यापक पैमाने पर अल्पसंख्यकों और अन्य वंचित तबकों को मतदाता सूची से बाहर करने की साजिश की जा रही है, वह पूरी तरह से संवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी है! अब इस प्रक्रिया को पूरे देश में लागू करने की तैयारी की जा रही है! यह एक अत्यंत चिंताजनक और खतरनाक कदम है! इस प्रक्रिया के तहत बड़े पैमाने पर लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, घुमंतू जातियों और शहरी गरीबों को मताधिकार से वंचित कर दिया जाएगा। यह साफ तौर पर भाजपा आरएसएस के उस एजेंडे का हिस्सा है जो भारत को एक हिंदू राष्ट्र में बदलना चाहता है।

ज्ञापन में मांग की गई है देश भर में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए। नागरिकता जांच का कोई भी कार्य निर्वाचन आयोग के माध्यम से न किया जाए! सभी नागरिकों के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित की जाए! निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संवैधानिक दायरे में रहकर कार्य करना चाहिए- न की सत्तारूढ़ दल के एजेंडे को लागू करने का उपकरण बनना चाहिए आदि मुद्दे उठाए गए हैं।

धार्मिक रामलीला कमेटी की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की एक कार्यकारणी व पदाधिकारियों की बैठक संस्था के मुख्य संस्थापक गोश्वामी सुशील महाराज जी की अध्यक्षता में विशाल दशहरा महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर कर के ठाकुरद्वारा बीटा 2 ग्रेटर नोएडा में की गई है संस्था के अध्यक्ष श्री आनंद भाटी जी ने बताया की मंचन 22/09/2025 से 02/10/2025 तक राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों के द्वारा एलइडी डिस्प्ले पर आधुनिक तकनीकों के साथ ग्रेटर नोएडा के रामलीला मैदान में किया जायेगा बैठक में रामलीला से संबंधित सभी तैयारीयों के विषय में विस्तृत चर्चा हुई अध्यक्ष जी ने बताया कि रामलीला का भूमि पूजन 24/08/2025 को होगा।

इस बैठक में मुख्य संस्थापक स्वामी सुशील महाराज जी, संस्थापक राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेरसिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, मनोज गुप्ता, पवन नागर, दिनेश गुप्ता, बालकिशन सफीपुर, धीरेंद्र भाटी, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश गौतम, महेश शर्मा, रोशनी सिंह, सत्यवीर मुखिया, चैनपाल प्रधान, जितेंद्र भाटी, यशपाल नागर, फिरे प्रधान, नरेंद्र नागर, अशोक कसाना, मनीष डाबर, रीना त्रिपाठी, ज्योति सिंह, अतुल आनंद सिंह उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

तिलपता गांव की स्थिति बेहद दयनीय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्मार्ट विलेज तिलपता गांव की स्थिति बेहद खराब हो गयी है। तिलपता गांव की सड़कें बहुत दयनीय स्थिति में हैं। बार-बार मांग के बाद भी सड़क को ठीक नहीं किया जाता है। समाजसेवी सुखबीर सिंह आर्य ने कहा कि प्राधिकरण अधिकारी अब हद पार कर चुके हैं।

आर्चरी एसोसिएशन की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में एक बैठक आर्चरी एसोसिएशन की आयोजित की गई जिसमें मुख्यत: होने वाले सीनियर पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की आगामी नवंबर माह में एक प्रतिस्पर्धा आयोजित की जानी है जो 3 दिवसीय होगी।

बैठक की अध्यक्षता मनजीत सिंह एवं पुष्कर सिंह ने की। बैठक में प्रदीप यादव, बिजेनदर सिंह आर्या, हरेन्द्र भाटी, इंजीनियर श्यामवीर भाटी उपस्थित रहे।

सीटू जिलाध्यक्ष ने रक्षाबंधन की दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) गौतम बुध नगर जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने अपने गांव बरौला सेक्टर- 49, नोएडा गौतम बुध नगर निवास पर बहनों से राखी बंधवाकर देश-प्रदेश एवं शहर वासियों को भाई-बहन के पारंपरिक असीम स्नेह और विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई दी।

रक्षाबंधन पर गामा-1 निवासी सार्थक गोयल व देवांश गोयल अपनी बहनों भव्या गोयल, मान्या गोयल, काव्या गोयल, हर्षिका गोयल से राखी बँधवाते हुए।

निर्मेश त्यागी को मिलेगा गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड

दिल्ली। राष्ट्रीय साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थान आदर्श समाज समिति इंडिया के अध्यक्ष धर्मपाल गाँधी ने दिल्ली में राजघाट से राष्ट्रीय पुरस्कार गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड-2025 का आगाज़ करते हुए साहित्य का पुरस्कार वर्तमान अंकुर प्रकाशन के संपादक निर्मेश त्यागी 'वत्स' को देने की घोषणा की है। राष्ट्रीय चयन समिति के निर्देशानुसार धर्मपाल गाँधी ने दिल्ली में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की समाधि राजघाट पर निर्मेश त्यागी को सूचना पत्र सौंपते अंकुर साहित्य परिवार के तीन सदस्यों को गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड-2025 से सम्मानित करने का ऐलान किया।

दैनिक वर्तमान अंकुर समाचार-पत्र की उप संपादक सुनीता सोनू व युवा साहित्यकार और प्रखर वक्ता राजदीप सिंह को भी गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड के लिए चयनित किया गया है। आदर्श समाज के प्रणेता, गाँधीवादी समाजसेवी और स्वतंत्रता सेनानी बजरंग लाल गाँधी की पुण्य स्मृति में 1 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए चयनित प्रतिभागियों के नामों की घोषणा राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा शुरू हो गई है। गाँधी सेवा रत्न अवॉर्ड-2025 के लिए राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा 5 अगस्त से पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके तहत देश भर से प्रतिदिन दर्जनों आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

आदर्श समाज समिति इंडिया के अध्यक्ष धर्मपाल गाँधी ने बताया कि गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2025 के लिए राष्ट्रीय चयन समिति के अनुसार 20 अगस्त तक पंजीकरण की प्रक्रिया निशुल्क जारी रहेगी।

राजेंद्र कुमार बने राष्ट्रीय हनुमान दल के क्षेत्रीय महामंत्री

गाजियाबाद। खोड़ा कॉलोनी, आजाद बिहार निवासी राजेंद्र कुमार को राष्ट्रीय हनुमान दल का क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिमी उ0प्र0 नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह हिंदू ने बताया कि राजेन्द्र कुमार (बाबा) के द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक स्तर पर किये गए श्रेष्ठ कार्यों के लिए केंद्रीय कमेटी की अनुशंसा पर इन्हें राष्ट्रीय हनुमान दल में क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिम उ0प्र0 के पद की जिम्मेदारी प्रदान की गई है, आशा करते हैं कि यह संस्था के हित में कार्य करेंगे।

नवनियुक्त क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिम उत्तर प्रदेश राजेंद्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय कमेटी द्वारा मुझे जो दायित्व दिया गया है मैं उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करुंगा और राष्ट्रीय हनुमान दल एवं सनातन धर्म के हित में सदैव कार्य करता रहूंगा।

विधायक ने लिखा सीईओ को पत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्रेटर नॉएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि एन0 जी को सरकारी अस्पताल की संख्या बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने कहा की सरकारी अस्पताल आबादी की संख्या के अनुरूप बहुत क्षेत्र में बहुत कम है। क्षेत्र में गरीब, मजदूर, कामगार, किसान, श्रमिक, निम्न वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग भारी संख्या में रहते हैं और वो निजी अस्पतालों का भारी खर्च वहन करने की स्तिथि में नहीं होते हैं।

प्राधिकरण द्वारा किसानों की जमीन बहुत कम रेट पर लेकर उद्योगपतियों, बिल्डरों एवं कमर्शियल के लिए दी गई लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई जिससे आर्थिक रूप से कष्ट झेल रहे लोगों को जरुरत के मुताबिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। उन्होंने सामाजिक संस्था एक्टिव सिटीजन टीम के द्वारा उठायी गई मांग का भी हवाला देते हुए कहा की प्राधिकरण उपलब्ध जमीन पर पहले सरकारी अस्पताल बनाये जिससे आबादी के अनुपात में लोगो को उचित मूल्य पर चिकित्सा सेवा मिल सके।

ग्रेटर नोएडा के शहरवासियों एवं क्षेत्रवासियों ने जेवर विधायक का पत्र के लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। एक्टिव सिटीजन टीम के सरदार मंजीत सिंह ने कहा की चिकित्सा किसी भी इंसान की मूलभूत जरुरत है और ये अगर अच्छी और उचित दामों पर है तो लोगों की स्वास्थ्य चिंताएं दूर होती है। माँग को मजबूती के लिए आभार व्यक्त करने वालों में मंजीत सिंह, आलोक सिंह, हरेंद्र भाटी, जे0पी0एस रावत, साधना सिन्हा, अंजू पुंडीर, मनोज सिंघल, आशीष शर्मा, रमेश प्रेमचंदनी रहे।

दरोगा, थानेदार और एसीपी के खिलाफ जांच के आदेश

वरिष्ठ अधिवक्ता की शिकायत पर अदालत का सख्त रुख

गाजियाबाद। (ब्यूरो)। वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में कदम-कदम पर लापरवाही बरतना तथा आरोपियों को बचाने की कोशिश करना पुलिस विभाग के कुछ अधिकारियों को भारी पड़ गया है। अदालत ने इस प्रकरण में चौकी प्रभारी, थानेदार और एसीपी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। पुलिस कमिश्नर (सीपी) गाजियाबाद को तीनों के विरूद्ध जांच करने के आदेश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट तैयार कर 14 अगस्त को अदालत के समक्ष पेश की जानी है। कोर्ट के रुख से विभाग में एकाएक हड़कंप मच गया है।

गाजियाबाद कमिश्नरेट के शालीमार गार्डन थानांतर्गत राजेंद्रनगर स्थित शुभधाम अपार्टमेंट में वरिष्ठ अधिवक्ता आदेश कुमार रहते हैं। वह गाजियाबाद कचहरी में प्रैक्टिस करते हैं। अधिवक्ता के साथ-साथ वह सीनियर सिटीजन भी हैं। विगत 19 मई 2024 को उन्हें सोसाइटी परिसर में संचालित आरडब्ल्यूए ऑफिस में बातचीत करने के लिए बुलाया गया था। आरोप है कि वहां कुछ व्यक्तियों ने सुनियोजित षडयंत्र के तहत आदेश कुमार के साथ गाली-गलौच कर अभद्रता की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। बाद में उन्होंने थाना शालीमार गार्डन जाकर थानेदार से शिकायत की। थाना स्तर पर सुनवाई न होने पर पुलिस आयुक्त कार्यालय जाकर शिकायत की। पुलिस द्वारा मामले का संज्ञान न लेने पर आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए। पीड़ित अधिवक्ता से 3 जून को दोबारा से बदसलूकी की गई। इस दरम्यान उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय के कई बार चक्कर काटकर अपनी व्यथा सुनाई, मगर आरोपियों के दबाव के चलते पुलिस ने उन्हें हर बार निराश कर दिया। तंग आकर पीड़ित को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। सिविल कोर्ट में यह मामला विचाराधीन है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने इस मामले में दरोगा जितेंद्र सिंह, तत्कालीन थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार तथा एसीपी सिद्धार्थ गौतम के खिलाफ पुलिस कमिश्नर को जांच के आदेश दिए हैं। नरेंद्र कुमार वर्तमान में गौतम बुद्ध नगर जनपद में तैनात हैं। जबकि एसीसी सिद्धार्थ गौतम लोनी का प्रभार संभाल रहे हैं। सीजेएम ने इस मामले में वास्तविक तथ्यों की जांच कर 14 अगस्त तक न्यायालय के समक्ष आख्या प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के इस आदेश से पुलिस विभाग में खलबली मची है। आरोप है कि थानेदार नरेंद्र कुमार और एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने आरोपियों को बचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग कर सच्चाई को छुपाने की हरसंभव कोशिश की।

पृष्ठ एक के शेष....

पीएम मोदी का...

संसद में अपने सहयोगियों के लिए इस Residential Comple& के उद्घाटन का अवसर मिला है। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खटटर, किरण रिजिजू व लोकसभा सांसद आवास समिति के अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन चार टावर्स के नाम भी बेहद सुंदर हैं। कृष्णा, गोदावरी, कोसी, हुगली, भारत की चार महान नदियां, जो करोड़ों लोगों को जीवन देती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अब उनकी प्रेरणा से हमारे जन प्रतिनिधियों के जीवन में भी आनंद की नई धारा बहेगी।

पीएम मोदी ने इस दौरान तंज कसते हुए कहा कुछ लोगों को परेशानी भी होगी। कोसी नदी पर नाम रखा है, तो उनको कोसी नदी नहीं दिखेगी, उनको बिहार का चुनाव नजर आएगा। ऐसे छोटे मन के लोगों के मन की परेशानियां भी दिखेंगी। नदियों के नामों की परंपरा देश की एकता के सूत्र में हमें बांधती है।

दु:खद हादसा : मदद को...

मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि रात में पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर हादसे की सूचना पर ही पीआरवी 6644 एक्सप्रेसवे पर गई थी। मेरठ के परीक्षितगढ़ नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन अमित मोहन गुप्ता अपनी थार कार से साथी परवेज खान त्यागी के साथ गाजियाबाद से आ रहे थे। रास्ते में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर भोजपुर के पास रात करीब डेढ़ बजे थार डिवाइडर से टकरा गई।

मोहन ने मदद के लिए डॉयल-112 पर सूचना दी। जिस पर पीआरवी 6644 मौके पर पहुंची। इसमें मुजफ्फरनगर के अनुज चौधरी व बिजनौर के पंकज चौधरी थे। इन्होंने प्राथमिक उपचार के लिए मोहन व परवेज़ को पीआरवी में बैठाया। इस बीच पंकज थार कार को लॉक करने गए। जबकि अनुज पीआरवी की डिक्की से प्राथमिक उपचार की किट निकालने लगे। तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने पीआरवी में टक्कर मार दी। हादसे में मोहन, परवेज व अनुज घायल हो गए। जिन्हें मेरठ के सुभारती अस्पताल ले जाया गया। जहां अनुज को मृत घोषित किया गया। आरोपित ट्रक चालक मध्य प्रदेश के मुरैना का ऋषिकेश है। वह मुरैना से ट्रक में प्याज लेकर देहरादून जा रहा था। पुलिस ने चालक को पकड़ लिया है। अभी केस दर्ज नहीं हुआ है।

कुख्यात माफिया रवि...

कार्यवाही की है। रवि काना तथा उसके साथियों को नोएडा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत भी वांछित कर रखा है। इस सबके बावजूद रवि काना का धंधा चल रहा है। रवि काना जेल से ही अपने अवैध धंधे को सुपरवाइज कर रहा है।

ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाने की पुलिस ने रवि काना के गिरोह का एक और कारकून (सदस्य) गिरफ्तार किया है। नोएडा कमिश्नरी पुलिस के मीडिया सेल ने इस गिरफ्तारी की जानकारी दी है। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने बताया कि मूल रूप से बुलंदशहर के भीकनपुर गाँव के मूल निवासी महिपाल के पुत्र सूरज को गिरफ्तार किया है। सूरज पहले से ही रवि काना गिरोह का सक्रिय सदस्य है। रवि काना के जेल जाने के बाद सूरज रवि काना के गिरोह का संचालन करके उसका अवैध धंधा चला रहा था। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने सूरज को पहले से ही गैंगस्टर एक्ट के तहत नामजद कर रखा है। पिछले काफी दिनों से सूरज नोएडा कमिश्नरी पुलिस की आँखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था।

एसआईआर को लेकर...

यह मार्च एसआईआर प्रक्रिया और राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर किया गया।

विपक्षी सांसदों ने बीते दिन ही इस मार्च का ऐलान किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस से इस मार्च इजाजत नहीं मिली थी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि विपक्षी दलों की तरफ से इस मार्च की इजाजत नहीं मांगी गई है। सांसदों का मार्च चुनाव आयोग के लिए रवाना हो गया है, लेकिन रास्ते में सुरक्षा को पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस की टीम सड़कों पर मौजूद रही और रास्ते में ही मार्च को रोक दिया गया। चुनाव आयोग ने 30 सांसदों को आयोग के दफ्तर आने की अनुमति दी थी, लेकिन 300 से ज्यादा विपक्ष के सांसद चुनाव आयोग कार्यालय तक जाना चाहते थे।

इस मार्च में कांग्रेस समेत, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, डीएमके के अलावा कई अन्य दल भी इसमें शामिल हुए। मार्च में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, डिम्पल यादव, संजय सिंह समेत बड़ी संख्या में सांसद शामिल हुए। दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित कई सांसदों को हिरासत में ले लिया है।

दो पक्षों में चले....

को शांत कराया। पुलिस ने झगड़ा कर रहे प्रथम पक्ष के प्रदीप, अजय, चंद्र व पतरूस तथा दूसरे पक्ष के सत्यपाल, अंकित व मोहन को हिरासत में ले लिया।

पुलिस को एक्शन में देख आपस में झगड़ा कर रहे अन्य लोग मौके से फरार हो गए इसके बाद पुलिस हिरासत में लिए गए सातों लोगों को थाने ले आई। दोनों पक्षों के ही लोगों को झगड़े में चोटें आई थी।पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और झगड़े में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

दो बाइक भिड़ी,...

के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए बाइक नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

पड़ोसी भगा ले ...

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी युवक व किशोरी की तलाश कर रही है।

शराब देने से मना...

की दुकान का शटर बंद कर रहा था। इस दौरान दुकान के बाहर खड़े दो लोगों ने उससे कहा कि वह शटर ना गिराए उन्हें शराब खरीदनी है। उसने 10 बजे दुकान बंद होने का हवाला देते हुए शटर बंद कर ताला लगा दिया। इस पर दोनों युवक भड़क गए और उसके साथ गाली गलौज करने लगे। उसने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट से वह सड़क पर गिर गया। मारपीट की वजह से उसे कई जगह चोटें आई। इसके बाद दोनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने सेल्समैन की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अक्टूबर में शुरू होगा...

ज्यादा लोगों को फायदा होगा। जो गाजियाबाद की तरफ से नोएडा आते है। हालांकि इनकी संख्या ज्यादा है। ये लोग नोएडा और गाजियाबाद में जॉब करते है।

इस स्काईवॉक को बनाने में करीब 38 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस पर नोएडा की तरफ सेक्टर-62, 63 और छिजारसी की तरफ चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। स्काईवॉक में राहगीरों को ऊपर चढ़ने में कोई परेशानी न हो इसके लिए नोएडा की तरफ एस्केलेटर (स्वचालित सीढ़ियां) लगाए जाएंगे। इसके अलावा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के कोनों पर दो लिफ्ट लगाई जाएंगी।

गंगा तट पर अनामिका चौधरी निषाद ने स्वच्छता कर्मियों को बांधी राखी

प्रयागराज (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री एवं चंदौली प्रभारी अनामिका चौधरी निषाद ने आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रयागराज के संगम तट दशाश्वमेध घाट पर गंगा की स्वच्छता में लगे सफाई कर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को मिठाई भी खिलाई और सभी को मां गंगा की निर्मलता तथा अविरल प्रवाह बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

अनामिका चौधरी ने कहा कि गंगा घाटों की सफाई में जुटे सभी सफाई कर्मचारी, तीर्थ पुरोहित, नाविक, माला-फूल विक्रेता तथा गंगा विचार मंच के पदाधिकारी, सभी गंगा माता के सच्चे सेवक हैं। उन्होंने रक्षाबंधन के इस पर्व पर लोगों से अपील की कि वे रोजाना कम से कम एक घंटा गंगा तट की सफाई के लिए समर्पित करें। उनका मानना है कि यदि हर व्यक्ति थोड़ा-सा योगदान दे तो हमारी गंगा और भी स्वच्छ, पावन और श्रेष्ठ बन सकती है।

इस अवसर पर महंत सुदर्शनाचार्य जी महाराज, नृसिंह मंदिर के साथ शिवा त्रिपाठी पूर्व पार्षद, अधिवक्ता अजय द्विवेदी, पत्रकार आरपी दुबे, प्रीति चौधरी, गीता गुप्ता, आचार्य कौशल किशोर मिश्र, भीम सिंह, आशुतोष श्रीवास्तव, राजेश मौर्या, अन्नू निषाद, रवि निषाद, मेजर सुनील निषाद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। गंगा पूजन और आरती का कार्यक्रम आचार्य प्रमोद दुबे ने संपन्न कराया।

इस पहल से गंगा संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, और स्थानीय समुदायों में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की दो बाइक व चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-57 के तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सेक्टर-58 की तरफ से बाइक पर बिना हेलमेट आ रहे दो युवकों को पुलिस ने रूकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार तेजी से यूटर्न लेकर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर बाइक सवारों को सेक्टर-58 के हनुमान मंदिर के पास दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए बाइक सवार ने अपना नाम ध्रुव पुत्र साहिब सिंह व हर्ष पुत्र चंद्रपाल बताया। दोनों युवकों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद मोबाइल उन्होंने 8 अगस्त को चोरी की बाइक पर सवार होकर नोएडा मोड़ के पास से छीना था। उनसे बरामद बाइक भी चोरी की है जो थाना क्षेत्र के सेक्टर 62 स्थित छोटा डीपार्क के बाहर से जुलाई माह में चोरी की गई थी। इसके अलावा उन्होंने 5 अगस्त की रात को बहरामपुर के पास से चोरी की गई एक बाइक को भी सेक्टर-58 के पार्क में छुपाकर खड़ा किया हुआ है। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर चोरी की दूसरी बाइक को भी बरामद कर लिया।

थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़े गए दोनों बदमाश चोरी की बाइक पर सवार होकर मोबाइल छीनने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए आरोपियों ने वाहन चोरी एवं मोबाइल छीनने की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

विराट-रोहित के फैंस को लगा बड़ा झटका

दोनों दिग्गजों का विश्व कप 2027 खेलना हुआ मुश्किल! बीसीसीआई ने रखी शर्त

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के दोनों दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20I फॉर्मेट से सन्यास ले चुके हैं। आईपीएल 2025 के बाद दोनों ने टेस्ट फॉर्मेट को भी अलविदा बोल दिया। अब दोनों दिग्गज वनडे फॉर्मेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे। फैंस को उम्मीद थी कि दोनों वनडे विश्व कप 2027 तक ब्लू जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि हालत अब बिगड़े हुए नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई ने दोनों दिग्गजों के सामने एक बड़ी शर्त रखी है।

विराट-रोहित को लगा बड़ा झटका

दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई वनडे विश्व कप 2027 के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा को टीम में नहीं देख रही है। हालांकि BCCI ने दोनों दिग्गजों के सामने शर्त रख दी है कि अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलना है, तो उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा। जोकि 24 दिसंबर 2025 से 18 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। हिटमैन और किंग ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद से कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। ऐसे में वो अब सीधे 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हो सकती है आखिरी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर वो बीसीसीआई की शर्त नहीं मानते हैं, तो उनके लिए ये सीरीज ही आखिरी हो सकती है। हालांकि अगर विराट-रोहित इस शर्त को मान लेते हैं, तो फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी होगी। दोनों दिग्गज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं उसके फौरन बाद वो विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। वहीं इसके बाद जनवरी 2026 में वो न्यूजीलैंड के खिलाफ भी वनडे सीरीज खेल सकते हैं।

यश दयाल पर बैन, यूपी टी20 लीग से किया गया बाहर

बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुसीबत कम होने का नाम ही नहीं ले रही है. रेप केस में फंसे यश दयाल का करियर अब खतरे में पड़ता हुआ नजर आ रहा है. उन्हें एक बड़ी लीग से बाहर कर दिया गया है. यश दयाल पर 17 साल की नाबालिग के साथ रेप करने का आरोप है. इसके बाद उन पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है. यश दयाल इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी की हिस्सा थे. इस सीजन में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था और 15 मैचों में 13 विकेट हासिल किए थे, लेकिन अब उनका करियर पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं.

यूपी टी20 लीग से किए गए बाहर

रिपोर्ट्स के मुताबिक आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल के यूपी टी20 लीग में खेलने पर रोक लगा दी गई है. यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला लिया है. जिसकी वजह से ये तेज गेंदबाज अगले सीजन में नहीं खेल पाएगा. यूपीसीए ने जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद ये फैसला लिया है. यश दयाल पर 17 साल की नाबालिग लड़की से रेप का आरोप है.

यूपी टी20 लीग की टीम गोरखपुर लायंस ने इस तेज गेंदबाज को 7 लाख रुपये में खरीदा था, लेकिन वो अब इस लीग में नहीं खेले पाएंगे. इस दौरान यश दयाल को राजस्थान हाई कोर्ट से एक बड़ा झटका मिल चुका है.

हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

रेप केस के मामले में यश दयाल को राजस्थान हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है. कोर्ट ने इस मामले में उनकी गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था. कोर्ट ने कहा था कि ये मामला नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए स्टे नहीं दे सकते हैं. इस मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी.

यश दयाल पर पहला केस गाजियाबाद में दर्ज हुआ था. इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने गाजियाबाद की रहने वाली एक महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया. हालांकि इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी. फिर जुलाई की शुरुआत में आरसीबी के इस तेज गेंदबाज पर जयपुर में मुकदमा दर्ज हुआ था. इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया.

तीसरे दौर के बाद एरिगेसी दूसरे स्थान पर

जर्मन ग्रैंडमास्टर कीमर शीर्ष पर

चेन्नई 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने हमवतन निहाल सरीन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण जीत के साथ वापसी की जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अवॉन्डर लियांग ने नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फॉरीस्ट को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों में से एक वी प्रणव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त अनीश गिरी को ड्रॉ पर रोककर प्रभावित किया।

चैलेंजर्स वर्ग में अभिमन्यु पुराणिक ने हर्षवर्धन जीबी पर जीत के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी जबकि एम प्रणेश ने पी इनियान को हराया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने आर वैशाली को हराया, जबकि अधिबान भास्करन ने डी हरिका के साथ अंक बांटे। आर्यन चोपड़ा और दिप्तायन घोष ने भी ड्रॉ खेला।

वर्कलोड पर मोहम्मद सिराज को मिली सलाह

पूर्व भारतीय गेंदबाज आरपी सिंह ने किया सतर्क

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सभी मैच में कमाल की गेंदबाजी की और सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जिसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा काफी तेजी के साथ हो रही है। हालांकि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने उन्हें वर्कलोड को लेकर नसीहत दी है। उनका मानना है कि सिराज को सतर्क रहने की जरूरत है।

आरपी सिंह ने नसीहत

आरपी सिंह ने सिराज को सतर्क करते हुए कहा कि फिलहाल उनका शरीर पूरी तरह से फिट है और वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, लेकिन सिराज को भी सतर्क रहने की जरूरत है। कार्यभार प्रबंधन की समस्याएं उन्हें भी देर-सवेर प्रभावित करेंगी। जसप्रीत बुमराह को अपने अनोखे गेंदबाजी एक्शन के कारण नुकसान उठाना पड़ा है। वह और सिराज दोनों ही हमारी संपत्ति हैं और उनके कार्यभार पर नजर रखने की जरूरत है। हालांकि, कार्यभार प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में होना चाहिए, न कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में।

अर्शदीप सिंह पर भी दी राय

इंग्लैंड दौरे पर अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। इस पर आरपी सिंह ने अपनी राय देते हुए कहा कि निश्चित रूप से, अर्शदीप को 100 फीसदी मौका दिया जाना चाहिए। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं और उन्होंने अपनी गति भी विकसित की है। मुझे यकीन है कि किसी समय वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा जरूर होंगे। अभी, वह जगह नहीं बना पा रहे हैं क्योंकि सीनियर खिलाड़ी भी मौजूद हैं। आरपी का मानना है कि अर्शदीप सिंह को देर सवेर ही सही। लेकिन उन्हें मौका मिलेगा।

सिराज का शानदार प्रदर्शन

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 5 मैचों में 23 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पूरी सीरीज में 185.3 ओवर गेंदबाजी की, जो इस सीरीज में किसी गेंदबाज द्वारा फेंकी गई सबसे ज्यादा गेंदें थीं।

6 छक्के-6 चौके जड़कर खेली तूफानी पारी

फिर भी नहीं मिली जीत, करीब आकर हारी ये टीम

खेल डेस्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मैच में 6 छक्के-6 चौके जड़ने और 172 रन की स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने के बावजूद इंग्लैंड का बल्लेबाज अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाया. ये खिलाड़ी अंत तक नाबाद रहा, लेकिन उसकी टीम जीत से 8 रन दूर रह गई. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले इस बल्लेबाज की टीम अभी तक द हंड्रेड लीग में अपनी जीत का खाता भी नहीं खोल पाई है और पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर मौजूद है. इस मैच में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन की टीम ने शानदार जीत दर्ज की. उनकी इस लीग में पहली जीत है.

जॉनी बेयरस्टो की पारी हुई बेकार

द हंड्रेड (मेंस) लीग का छठा मुकाबला लंदन स्पिरिट और वेल्श फायर के बीच खेला गया. इस मैच में 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेल्श फायर की टीम को रोमांचक मुकाबले में 8 रन हार झेलनी पड़ी. वेल्श फायर के ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने टीम को जीत दिलाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे. उन्होंने इस दौरान 50 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 86 रनों की पारी खेली. इसके बावजूद उनकी टीम 100 गेंद में 6 विकेट से 155 रन ही बना सकी.

वेल्श फायर की इस लीग में लगातार दूसरी हार है. वो अभी तक अपनी जीत का खाता नहीं खोल पाया है. पिछले मैच में उसे नार्दन सुपरचार्जर्स ने 8 विकेट से करारी मात दी थी. उस मैच में भी बेयरस्टो ने 23 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली थी. द हंड्रेड के छठे मुकाबले में लंदन स्पिरिट के ओपनर डेविड वार्नर ने तूफानी फिफ्टी ठोक टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया.

डेविड वार्नर ने ठोकी फिफ्टी

द हंड्रेड लीग के छठे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंदन स्पिरिट ने 100 गेंद में 5 विकेट पर 163 रन बनाए. कप्तान केन विलियम्सन इस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए और 14 गेंद में 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने तूफानी फिफ्टी ठोककर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. उन्होंने 45 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 70 रनों की पारी खेली.

महेंद्र सिंह धोनी या ऋषभ पंत टेस्ट में कौन है नंबर 1 विकेटकीपर?

आकाश चोपड़ा ने दिया चौंकाने वाला जवाब

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट टीम में बहुत कम ऐसे विकेटकीपर रहे हैं, जिन्होंने बल्ले से साथ भी बहुत इंपैक्ट डाला हो। दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छे से निभाई है। जिसके कारण ही इन दोनों के बीच तुलना होती रहती है। अब एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है कि महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत में कौन बेहतर टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। आकाश चोपड़ा ने इस चर्चा पर चौंकाने वाली राय रखी है।

धोनी या पंत कौन है टेस्ट में नंबर 1 विकेटकीपर?

महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत के बीच हो रही तुलना पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैचों की संख्या और रन बनाने के मामले में महेंद्र सिंह धोनी टॉप पर हैं। उन्होंने 90 मैच, 144 पारियां खेली हैं, 38.09 की औसत से 4876 रन बनाए हैं और उनके नाम छह शतक हैं। ऋषभ पंत ने पिछले 5 वर्षों में छह शतक लगाए हैं। अगर हम ओवरऑल देखें तो ऋषभ पंत पहले ही 8 शतक लगा चुके हैं और धोनी ने छह शतक लगाए थे। ऋषभ पंत पहले ही दूसरे स्थान पर हैं (रनों की संख्या के मामले में)। वह महेंद्र सिंह धोनी से 1400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलते हैं, तो वह निश्चित रूप से धोनी से आगे निकल जाएंगे।'

ऋषभ पंत की आकाश चोपड़ा ने की तारीफ

भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत की तारीफ करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, 'अगर हम इंग्लैंड में किसी विकेटकीपर द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों को देखें, तो पंत एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इंग्लैंड में 1000 रन बनाए हैं। उन्होंने 4 शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 13 मैचों और 24 पारियों में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। हो सकता है कि इंग्लैंड में उनकी प्रतिमा बननी शुरू हो जाएँ। अगर हम आज तक दुनिया के सभी टेस्ट विकेटकीपरों की सूची देखें, तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5570 रन बनाए हैं। वह उनसे काफी आगे हैं। हालांकि, गिलक्रिस्ट भी पीछे छूट सकते हैं क्योंकि पंत उनसे लगभग 2250 रन पीछे हैं। बिना किसी संदेह के, भारत के अब तक के नंबर 1 विकेटकीपर-बल्लेबाज और विश्व क्रिकेट में, वह सर्वश्रेष्ठ और शायद सर्वश्रेष्ठ में से एक बनकर उभरेंगे।'

एआईएफएफ ने रेफरियों को अनुबंध नवीनीकरण का आश्वासन दिया

आईएसएल पर अब भी अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने रेफरियों को आश्वासन दिया कि उनके अनुबंध स्थापित प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किए जाएंगे।

एआईएफएफ ने कहा कि उसे पांच अगस्त को नौ रेफरियों का एक संयुक्त पत्र मिला जिसमें 31 अगस्त को समाप्त होने वाले उनके पेशेवर मैच आधिकारिक अनुबंधों को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। एआईएफएफ ने एक नोटिस में कहा, 'एआईएफएफ यह आश्वासन देना चाहता है कि इन अनुबंधों का नवीनीकरण स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा जो एलीट रेफरी विकास कार्यक्रम की मौजूदा प्रक्रिया के अधीन होगा।'

महासंघ ने आगे कहा, 'एआईएफएफ सभी पक्षों से शांत रहने का आग्रह करता है क्योंकि वर्तमान में कई प्रतियोगिताएं चल रही हैं जहां हमारे कई रेफरी डूरंड कप और फुटसल क्लब चैंपियनशिप जैसे मैचों में अंपायरिंग कर रहे हैं।' उसने कहा, 'अन्य गतिविधियां जैसे म्यांमा में एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम के मैच तथा बेंगलुरु में अंडर-23 पुरुष और अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम के शिविर भी चल रहे हैं।'

रेफरियों की चिंता का कारण आईएसएल के 2025-26 सत्र को लेकर चल रहा गतिरोध माना जा सकता है।

मोहन बागान ने डायमंड हार्बर को हराया

डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची टीम

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मैच में डायमंड हार्बर एफसी को 5-1 से हराकर डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अनिरुद्ध थापा ने गोल कर मोहन बागान को आगे कर दिया लेकिन पांच मिनट बाद लुका माजसेन ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद जेमी मैकलारेन, लिस्टन कोलाको, सहल अब्दुल समद और जेसन कमिंग्स ने गोल कर सुनिश्चित किया कि मोहन बागान ग्रुप विजेता के रूप में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाए। डायमंड हार्बर को अब सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में से एक के रूप में नॉकआउट में जगह बनाने के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

आरआर छोड़ने के सवाल पर आ गया संजू सैमसन का जवाब

स्टार खिलाड़ी ने कर दी दिल छू लेने वाली बात

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स छोड़ने का फैसला कर चुके हैं। संजू आगामी सीजन से पहले राजस्थान से अलग होना चाहता हैं। हालांकि अब राजस्थान के छोड़ने के सवाल पर स्टार खिलाड़ी का बयान सामने आया है। उन्होंने आर अश्विन को दिए इंटरव्यू में राजस्थान को लेकर दिल छू लेने वाली बात की है। संजू का बयान चर्चा में है।

संजू सैमसन हुए भावुक

संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स पर बात करते हुए कहा कि आरआर मेरे लिए दुनिया है। केरल के एक गांव से आने वाला एक छोटा बच्चा, अपनी प्रतिभा दिखाना चाहता था। और फिर राहुल (द्रविड़) सर और मनोज बडाले सर ने मुझे एक मंच दिया ताकि मैं आगे बढ़ सकूं और दुनिया को दिखा सकूं कि मैं किस चीज से बना हूं। उस समय, उन्होंने मुझ पर पूरा भरोसा किया। आरआर के साथ मेरा सफर वाकई शानदार रहा है, और मैं इस तरह की फ्रैंचाइजी में शामिल होने के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे लिए वाकई बहुत मायने रखता है।

सीएसके में जा सकते हैं सैमसन

माना जा रहा है कि संजू सैमसन आईपीएल 2026 से पहले सीएसके में ट्रेड हो सकते हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी भविष्य के तौर पर देख रही है। इसके अलावा वह कप्तानी भी संभाल सकते हैं। बता दें कि संजू राजस्थान के लिए साल 2013 से खेल रहे हैं। वह 13 साल से इस फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े हुए हैं। अब तक खेले गए 144 आईपीएल मैच में उन्होंने 4027 रन बनाए हैं। फिलहाल वह भारत के लिए भी टी-20 प्रारूप में लगातार खेल रहे हैं। एशिया कप 2025 इस बार टी-20 फॉर्मेट में होने वाला है। ऐसे में संजू सैमसन से काफी उम्मीदें होने वाली हैं।

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, ' श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयािली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि:संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

मायासभा में कैसा होगा दिव्या दत्ता का किरदार, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने तेलुगु सीरीज मायासभा- द राइज ऑफ द टाइटन्स में अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। इसमें वह राजनीतिक नेता इरावती बोस का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका किरदार चालाकी से दूसरों को अपनी बातों में फंसाने वाला और उनका फायदा उठाने वाला है। उन्होंने बताया कि उनका किरदार इरावती ताकतवर है; साथ ही, वह अपनी कमजोरियों को भी छुपाती हैं ताकि लक्ष्य को हासिल करने में उनके रास्ते में कोई बाधा न बन सके। दिव्या दत्ता ने कहा कि इरावती के चालाक और हिसाब से काम करने वाले गुण उनके लिए सिर्फ एक कमजोरी या ताकत नहीं हैं, बल्कि ये सब मिलाकर उनके जीवन की स्थिति को समझने का एक तरीका है। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के रूप में, उनका काम यह है कि वे अपने किरदार को निभाते वक्त इन गुणों को अलग-अलग तरीके से दिखाएं, जैसे कभी कुछ शब्दों को थोड़ा ऊपर, कभी नीचे, या कभी थोड़ा बदलकर, ताकि वह किरदार सच्चे और प्रभावी तरीके से दर्शकों तक पहुंच सके। एक्ट्रेस ने 1994 में फिल्म इश्क में जीना, इश्क में मरना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अपने किरदारों में अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना पसंद करती हैं। न्होंने कहा, जब हम किसी किरदार पर काम करते हैं, तो हम उसमें थोड़ी सी चालाकी, थोड़ी सी मस्ती, थोड़ी सी बुद्धिमानी, या कभी-कभी एक इमोशनल उतार-चढ़ाव जोड़ते हैं। यह सब मिलाकर किरदार को और भी वास्तविक और दिलचस्प बनाता है।

मायासभा- द राइज ऑफ द टाइटन्स एक राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज़ है, जिसे देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने डायरेक्ट किया है। इसमें चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा नजर आएंगे। इसके अलावा रघु बाबू, भावना वझापंडल और तान्या एस रविचंद्रन जैसे कलाकार भी सीरीज का हिस्सा हैं। यह सीरीज़ 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है।

बैटल ऑफ गलवान का उद्देश्य वास्तविक नायकों को सम्मान देना है

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल बैटल ऑफ गलवान है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम। चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है।

फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं। इससे पहले सलमान खान फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंडिया गेट से चित्रांगदा सिंह की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की। साथ में लिखा, सादगी और शालीनता का रूप चित्रांगदा सिंह का बैटल ऑफ गलवान की टीम में स्वागत है।

सबसे महंगी एक्शन फिल्म बनी वॉर 2, रजनीकांत की 'कूली' को देगी कड़ी टक्कर

400 करोड़ का बजट, 90 करोड़ में तेलुगु राइट्स और सुपरस्टार्स को मुनाफे में हिस्सेदारी। 'वॉर 2' संभवत- बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बनने वाली है। फिल्म में पानी की तरह पैसा कहां बहाया गया? और इससे थिएटर मालिकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स को इतनी उम्मीद क्यों हैं?

स्टार्स और टेक्निकल टीम की फीस

फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर जैसे बड़े सितारे हैं, जिनकी फीस 50 से 75 करोड़ रुपये तक मानी जा रही है। इसके साथ ही कियारा आडवाणी, निर्देशक अयान मुखर्जी और टेक्निकल क्रू की फीस को मिलाकर सिर्फ कास्ट और टीम पर 100 से 150 करोड़ रुपये तक का खर्च हुआ है।

इंटरनेशनल शूट और वीएफएक्स

डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर शूट किया है। इसमें हॉलीवुड स्टंट- कोरियोग्राफर्स की मदद से बोट चेज, कार एक्शन और हैंड-टू-हैंड फाइट सीन शामिल किए गए हैं। ड्रोन शॉट्स, ग्रीन स्क्रीन और हाई-क्वालिटी वीएफएक्स की वजह से पोस्ट-प्रोडक्शन का खर्च काफी बढ़ा।

आईमैक्स और डॉल्बी सिनेमा रिलीज

'वॉर 2' भारत की पहली फिल्म होगी जो डॉल्बी सिनेमा में रिलीज होगी। साथ ही इसे आईमैक्स स्क्रीन्स पर भी रिलीज किया जाएगा। इसके लिए खास कैमरा इक्विपमेंट और मास्टरिंग की जरूरत होती है, जो कि बहुत महंगा है। फिल्म में काम कर रही इंटरनेशनल स्टंट टीमें न सिर्फ महंगी हैं, बल्कि उनके साथ शूटिंग के दौरान बीमा, सुरक्षा और बॉडी डबल्स का खर्च भी जुड़ा होता है। फिल्म के ग्लोबल डिजिटल कैंपेन, सोशल मीडिया, इंटरनेशनल म्यूजिक स्कोर और डबिंग पर भी बड़ी रकम खर्च की गई है।

इंटरनेशनल स्केल पर 6 देशों में शूटिंग

'वॉर 2' की शूटिंग 150 दिनों में 6 देशों में हुई है। स्पेन के सलामांका और मैड्रिड में कार चेज सीन, अबू धाबी में बोट चेज और इटली में एक्शन सीन शूट किए गए। जापान और रूस में भी कुछ अहम सीन फिल्माए गए हैं। क्लाइमैक्स का 15 दिन का शेड्यूल मुंबई में यशराज स्टूडियो और फिल्म सिटी में हुआ है। पूरी शूटिंग बेहद सख्त सिक्योरिटी के बीच की गई ताकि कुछ भी लीक न हो।

सीजनल नहीं, इंसानी कहानियां हैं क्वीर स्टोरीज

अभिनेत्री-निर्माता श्वेता त्रिपाठी के ड्रामा कॉक को मुंबई और दिल्ली में प्राइड मंथ के दौरान खूब सराहना मिली। उन्होंने कहा कि क्वीर कहानियां सीजनल नहीं, बल्कि मानवीय हैं, जो साल भर सम्मान की हकदार हैं। श्वेता अपनी स्टेज प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायटी के तहत इस ड्रामा को भारत के अन्य शहरों में ले जाने की तैयारी कर रही हैं। श्वेता ने बताया, यह ड्रामा मेरे दिल के बहुत करीब है। एक सहयोगी के रूप में, हमें हर दिन इन कहानियों को बढ़ावा देना चाहिए। ये इंसानी कहानियां हैं, जिन्हें जगह और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि एक कलाकार के रूप में वह उस दुनिया की विविधता को दिखाने की जिम्मेदारी महसूस करती हैं, जिसमें हम रहते हैं। कॉक एक ड्रामा है, जो प्यार, पहचान और सेक्सुअलिटी जैसे विषयों पर बनी है। ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट लिखित और मनीष गांधी के निर्देशन में बने इस नाटक में एक पुरुष की कहानी है, जो अपने पुराने पुरुष साथी और एक महिला के प्रति आकर्षण के बीच उलझा है। यह नाटक भारतीय रंगमंच में एलजीबीटीक्यू प्लस प्रतिनिधित्व को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। श्वेता ने बताया कि वह साल 2025 और 2026 तक इस नाटक को और शहरों में ले जाने की योजना बना रही हैं, ताकि नए दर्शकों के साथ भी यह बातचीत जारी रहे। नाटक के अलावा, श्वेता एक निर्माता के रूप में अपनी पहली फिल्म की तैयारी कर रही हैं, जो एक मार्मिक क्वीर प्रेम कहानी होगी। एक्टिंग की बात करें तो श्वेता साल 2023 में आई विपुल मेहता की कॉमेडी फिल्म कंजूस मखीचूस में नजर आई थीं। कंजूस मखीचूस का निर्माण सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के साथ थंडरस्काई एंटरटेनमेंट ने किया है। यह फिल्म प्रसिद्ध गुजराती नाटक सजन रे झूठ मत बोलो पर आधारित है। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ कुणाल खेमू, पीयूष मिश्रा, अलका अमीन और राजीव गुप्ता अहम भूमिकाओं में हैं। जी5 पर रिलीज हुई कंजूस मखीचूस कमीडियन राजू श्रीवास्तव की आखिरी फिल्म रही।

इस वजह से रुबीना ने स्वीकारा पति पत्नी और पंगा का ऑफर

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला पॉपुलर शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने मां बनने के बाद शो का ऑफर क्यों स्वीकार किया। अभिनेत्री ने बताया, इस शो की कहानी उनकी जिंदगी के नए दौर से मेल खाती है। साथ ही इस शो के जरिए उन्हें अपने पति अभिनव के साथ स्क्रीन पर नया अनुभव करने का मौका मिला। मां बनने के बाद मैं अपने पति के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती थी। कुछ मस्ती भी करनी थी, इसलिए मैंने यह शो किया।

जब अभिनेत्री से पूछा गया, क्या रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं? अभिनेत्री ने बताया, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड नहीं होते, लेकिन उन्हें थोड़ा निर्देशित किया जाता है। अगर कोई चीज अच्छी चल रही हो, तो शो के निर्माता उसे और हाइलाइट करते हैं। यह स्क्रिप्टेड नहीं, बल्कि गाइडेड होता है। वहीं, अभिनेता अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो में स्क्रीन टाइम और रिश्तों की लंबी उम्र के बारे में भी बात की। उनके मुताबिक, रिश्ते में जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम होता है, रिश्ता उतना ही कम समय तक चल सकता है। रुबीना ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा, अभिनव सही कह रहे हैं। जितना ज्यादा हम एक-दूसरे की बातों और सोच को स्वीकार करेंगे, रिश्ता उतना ही बेहतर होगा। एक अच्छा रिश्ता तब बनता है, जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, जैसे हम हैं। जब हम ये समझते हैं कि हम अलग हैं और फिर भी एक-दूसरे की इज्जत करते हैं, तो रिश्ते में प्यार और समझ बढ़ती है।

अभिनव शुक्ला ने बताया कि जब किसी बात पर बहस या मतभेद होता है, तो वह उसे संभालने का एक शांत तरीका अपनाते हैं। अभिनव ने कहा, जब हम दोनों के बीच झगड़ा होने लगता है, तो मैं थोड़ा पीछे हट जाता हूं, या फिर रुबीना को स्पेस देता हूं, थोड़ी देर बाद शांत होकर दोबारा उस बात पर चर्चा करता हूं, ताकि समस्या आसानी से सुलझ जाए। कुछ परेशानियां, कुछ घंटों में सुलझ जाती हैं, तो कुछ में ज्यादा समय लग जाते हैं। अभिनव ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमारे रिश्ते में तो मैं बस यही कहता हूं, जो तुम कहो। और, अब ये लाइन काफी फेमस हो गई है। शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया जा रहा है। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं।

फरहान अख्तर ने राशि खन्ना की जमकर तारीफ की

'120 बहादुर' का टीज़र लॉन्च केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं था, बल्कि यह आपसी सम्मान, कलात्मक तालमेल और साझा उद्देश्य का एक सशक्त उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम में पैन-इंडिया स्टार राशी खन्ना और फरहान अख्तर ने दर्शकों को अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की एक झलक दिखाई, जो आपसी सम्मान और सच्ची केमिस्ट्री पर आधारित था। टीज़र में जहाँ रेजांग-ला के युद्ध की एक गंभीर और भावनात्मक कहानी दिखाई गई, वहीं मंच पर एनर्जी ताज़गी भरी, फिर भी बेहद सम्मानजनक रही। फिल्म में राशि के किरदार पर बात करते हुए फरहान अख्तर ने उनकी तारीफ़ करने से खुद को रोक नहीं पाए- राशि, आपके साथ काम करना एक बेहद शानदार अनुभव रहा। वह कहती हैं कि यह कहानी खुद उनके पास आई, लेकिन मुझे लगता है कि शायद इसका उल्टा हुआ है। मेरा मानना है कि रास्ते खुद उन लोगों को ढूंढते हैं जो उन्हें निभाने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। और इस भूमिका के लिए राशि को लेना — इससे बेहतर निर्णय हम कर ही नहीं सकते थे। वह फिल्म में बेहद शानदार हैं। आपने जो अभी देखा है, वह तो सिर्फ़ एक टीज़र है — असली जादू अभी बाकी है। यह एक सच्चे सम्मान का पल था, जिसने राशि को भी भावुक कर दिया। उन्होंने उतनी ही गर्मजोशी और सच्चाई से जवाब दिया- जब हम इस फिल्म के लिए एक साथ आए, तो सबसे पहले मुझे फरहान सर का धन्यवाद करना है क्योंकि उन्होंने ही बातचीत की शुरुआत की। मैं थोड़ी शर्मीली हूं, लेकिन सर बहुत ही विनम्र और सहज थे।एक व्यक्ति के रूप में उनकी ख़ासियत पर विचार करते हुए, उन्होंने आगे कहा- मेरे माता-पिता ने हमेशा सिखाया है कि किसी इंसान को समझना हो, तो यह देखो कि वह अपने आसपास के लोगों से कैसा व्यवहार करता है। और फरहान सर हर किसी को बराबरी का सम्मान देते हैं — चाहे वह कोई भी हो। यह एक ऐसी खूबी है जो मैंने बहुत कम लोगों में देखी है। इसलिए मैं उन्हें एक इंसान के तौर पर और भी ज्यादा पसंद करती हूं। बेशक, मैं उन्हें एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में सराहती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उन्हें एक इंसान के रूप में भी बहुत पसंद करती हूँ। वह बहुत ही प्रेरणादायक और बहुत ही अनुशासित हैं। और अब तो सब जानते हैं कि जब मैं कुछ कहती हूं, तो दिल से कहती हूं। और मैं दिल से कह रही हूं — यह अनुभव वाकई अद्भुत रहा है। और मैं सच में उम्मीद करती हूं कि आगे भी मुझे उनके साथ काम करने के ऐसे और मौके मिलें।

मीडिया ने भी उनकी सहज दोस्ती और मंच पर साझा किए गए हल्के-फुल्के पलों को तुरंत भांप लिया। फरहान और राशि की हाज़िरजवाबी और सेंस ऑफ ह्यूमर ने पूरे इवेंट को जीवंत बनाए रखा। '120 बहादुर' जैसी फिल्म, जो गहरे भावनात्मक स्तर और जटिल पात्रों पर आधारित है, उसमें ऑफ-स्क्रीन तालमेल ऑन-स्क्रीन प्रभाव को और भी गहरा बना देता है। और जहाँ एक ओर पूरी नज़र फिल्म की कहानी और इसके भव्य पैमाने पर है, वहीं अब इसके मुख्य कलाकारों के बीच की यह सधी हुई, पर सच्ची केमिस्ट्री दर्शकों की उत्सुकता को एक और स्तर पर ले जा रही है।

'धारा-10 की आड़ में अवैध वसूली बंद हो'

निर्धारित पेनल्टी लेकर अवैध निर्माण नियमित किए जाएं : एन.पी. सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। डीडी आरडब्ल्यू फेडरेशन की एक्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग ए 17, सेक्टर 35 में आयोजित करी गई। जिसमें तीन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

डीडी आरडब्ल्यू अध्यक्ष एन पी सिंह ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण जनरल मैनेजर आर.पी. सिंह से समस्या के समाधान के लिए अनुरोध किया गया। आरपी सिंह ने बताया कि गंगाजल की समस्या का समाधान हो चुका है और सीवर की समस्या का समाधान भी तुरंत करवा दिया जाएगा जैसे ही आप लिखित में कंप्लेंट भेजेंगे दो दिनों में सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

मीटिंग के दौरान धारा-10 के नोटिस के विषय में भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकतर मेंबर द्वारा बताया गया कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी धारा-10 का नोटिस निवासियों को भेजते हैं और फिर इलीगल तरह से सेटलमेंट कर देते हैं, जो गलत है।

मीटिंग के दौरान तय किया गया कि प्राधिकरण को चाहिए कि वह जिस निवासी ने भी गलत और ज्यादा मकान बना रखा है और धारा-10 का नोटिस उसे जारी हुआ है। उसको सर्किल रेट के हिसाब से लीगल फीस लेकर लीगलाइज करवा दिया जाए तो समस्या का समाधान हो सकता है और सरकार को इससे राजस्व भी प्राप्त होगा।

कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नोएडा शहर के सभी बड़े पार्कों में और सेक्टर की एंट्रेंस पर डॉग पॉलिसी के सभी मुख्य पॉइंट लिखवाकर बड़े बोर्ड लगवाए जाएं। बोर्ड लगने से और डॉग पॉलिसी लिखी जाने से झगड़ों में कमी आएगी । एस.पी. सिंह, जनरल मैनेजर द्वारा बताया गया कि एक सप्ताह के भीतर नोएडा शहर के सभी बड़े पार्कों में और एंट्रेंस पर डॉग पॉलिसी के मुख्य बिंदु लिखकर बोर्ड लगवा दिए जाएंगे।

इस मौके पर अध्यक्ष एन.पी. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, उपाध्यक्ष अनिल खन्ना, अनिल सिंह, सेक्रेटरी एसपी चौहान, रनपाल अवाना, सतवीर मुखिया, श्रीमती ममता तिवारी, यशपाल नगर, नरेश राणा, संजय जयसवाल, एम पी सिंह, सुभाष चौहान इत्यादि मौजूद रहे।

"गर्भस्थ शिशु को संस्कारी व श्रेष्ठ बनाए"

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-26 क्लब के गंगोत्री हॉल में रेजिडेंट्स वेलफेयर एंड कल्चरल सोसाइटी ने एक विशेष गर्भ संस्कार कार्यशाला का आयोजन किया।

ओ.पी. बंसल ने बताया कि यह कार्यशाला विशेष रूप से भावी माता-पिता के लिए उपयोगी रही जो अपने होने वाले बच्चे के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से एक आदर्श वातावरण तैयार करना चाहते हैं। आधुनिक अनुसंधानों के अनुसार, मां के खानपान, विचार, भावनाएं, तनाव और जीवनशैली का सीधा प्रभाव गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। यदि माता धूम्रपान, अल्कोहल या अत्यधिक कैफीन का सेवन करती हैं या डिजिटल मीडिया के दुष्प्रभावों से घिरी होती हैं, तो वह शिशु के मस्तिष्क विकास और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

कार्यशाला में इंदौर के डॉ. अनिल गर्ग, वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जन व गर्भ संस्कार विशेषज्ञ, वैज्ञानिक शोधों द्वारा गर्भ संस्कार के सिद्धांतों की व्याख्या की तथा डॉ. सीमा गर्ग, वरिष्ठ हेयर ट्रांसप्लांट सर्जन व गर्भ संस्कार विशेषज्ञ ने बताया कि कैसे मां अपने गर्भस्थ शिशु को योग्य, प्रतिभाशाली और संस्कारी बना सकती हैं।

कार्यक्रम के पश्चात प्रश्नोतर सत्र भी रखा गया, जिसमें प्रतिभागी अपनी जिज्ञासाएं विशेषज्ञों से पूछे। यह आयोजन अरविन्द सोसाइटी नोएडा शाखा, श्रीजी गौ सदन, अग्रवाल मित्र मंडल, राजस्थान कल्याण परिषद, भारत विकास परिषद (स्वर्णिम), परमेश्वरीदेवी जानकी वल्लभ दानी चैरिटेबल ट्रस्ट, माहेश्वरी समाज, युवा सोशल शक्ति के विशेष सहयोग से हुआ। वहीं कार्यशाला में आयोजक संस्थाओं के सदस्यों के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख गुणवंत सिंह कोठरी भी मौजूद रहे।

विकास जैन को मिला 'व्यापारी सेवा सम्मान 2025' पुरस्कार

कानपुर / नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कानपुर इकाई का प्रथम वर्षगांठ लाजपत नगर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर युवा व्यापार मंडल की ओर से कानपुर महानगर के व्यापारी सेवकों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी व्यापारियों को एक जुटता का परिचय देते रहना चाहिए। युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति है, युवाओं को बागडोर सौंपने से व्यापार मंडल सुरक्षित हाथों में रहेगा। प्रदेश सरकार को छोटे व्यापारियों के लिए सोचना चाहिए। पंजीकृत व्यापारियों को मात्र दुर्घटना बीमा में 10 लाख रुपया मिलता है वह भी उनकी मृत्यु हो जाने के बाद। यदि किसी पंजीकृत व्यापारी की साधारण मृत्यु हो जाती है तो छोटा व्यापारी और उसका परिवार बिखर जाता है। छोटे व्यापारियों को सरकार को उनकी किसी भी तरीके से मृत्यु हो इस पर एक करोड-रुपए की मांग आज संगठन ने की है। जैन ने सरकार से माँग की ऑनलाइन बिज़नेस को ख़त्म करने के लिए सरकार को विदेशी नीतियों पर कठोरता से नियम लागू करने पड़ेंगे द्य जब तक सरकार कठोर नियम नहीं बनाएगी तब तक आम जनता कुछ नहीं कर सकती द्य भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि वे व्यापारी के बिना सरकार कुछ नहीं कर सकती ये व्यापारी देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ कानपुर के पदाधिकारियों ने अपनी प्रथम वर्षगांठ का केक काटकर जश्न मनाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश प्रभारी एवं अध्यक्ष कपिल सब्बरवाल द्वारा की गई। कार्यक्रम में संरक्षक विजय कपूर, श्याम निगम, ऋषि कत्याल, रणजीत सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

सपाईयों ने फूलन देवी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने महानगर पदाधिकारियों ने सेक्टर-53 स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय पर वीरांगना फूलन देवी की जयंती पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि फूलन देवी का संघर्ष नारी शक्ति एवं सामाजिक न्याय का प्रतीक बन गया हैं।

वंचित समाज की महिला के साथ प्रबुद्ध वादी ताकतों ने जो जघन्य अत्याचार और अपमान किया उससे उन्हें बागी का जीवन जीना पड़ा।

प्रदेश सचिव जय करण चौधरी व वरिष्ठ नेता भीष्म यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी को सांसद का टिकट दिया देश की सबसे बड़ी पंचायत (संसद) में पहुंचने का रास्ता दिखाया था । महासचिव विकास यादव ने कहा कि वीरांगना फूलन देवी मीरपुर संसदीय क्षेत्र की जनता के अपार समर्थन से वर्ष 1996 में सांसद बनकर देश के उच्च सदन में पीड़ित अपेक्षित बेसहारा समाज की आवाज बनकर उभरी। मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि फूलन देवी की कहानी समाज के पिछड़े वंचित और दलित समाज के संघर्ष का इतिहास है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में वीरपाल प्रधान, रणपाल अवाना, सोनू त्यागी, अनिल पाल,गौरव सिंगल, सतवीर यादव,बबली शर्मा, राम सहेली, रेणुका मेथी , राजेश अंबावता, हरपाल सिंह ,रामवीर यादव , महेश कुमार ,कृपा शंकर यादव, विनोद, नीर अवाना, जितेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार, सिकंदर पासवान,विश्वास,शेखर यादव, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

प्राधिकरण के आश्वासन के बाद झुग्गीवासियों का प्रदर्शन स्थगित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-122 में नोएडा झुग्गी झोपड़ी सेवा उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा की बैठक हुई।जिसमें यह तय हुआ कि प्राधिकरण के ओएसडी देवेन्द्र प्रताप सिंह तथा महाप्रबंधक (भवन) आलोक कुमार ने वार्ता में सभी समस्याएं हल करने का आश्वासन दिया है।इसके बाद 12 अगस्त को आहूत धरना-प्रदर्शन को टाल दिया गया।

मोर्चा के अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि शीघ्र ही सेक्टर-122 के जर्जर फ्लैटों की मरम्मत के लिए प्राधिकरण की टीम आएगी तथा मरम्मत की जाएगी। जिन झुग्गीवासियों को फ्लैटों का आवंटन नहीं हो पाया उनको भी जांच कर फ्लैट आवंटित कर दिए जाएंगे। अन्य मांगों पर भी प्राधिकरण अफसरों ने आश्वासन दिया। इसलिए सर्व सम्मति से 12 अगस्त का आंदोलन स्थगित कर दिया गया। प्राधिकरण को सभी कार्य पूरा करने के लिए 45 दिनों का वक्त दिया गया है।

बैठक में उदय सिंह के अलावा भाजपा नेता अशोक सिंह, इंद्र बहादुर सिंह, मुन्ना आलम, जेपी सिंह, ममता, लेखराज, बीरेन्द्र जैन, कलीम, अखिलेश समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पूर्व आईएमए अध्यक्ष के घर पहुंचे विधायक पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के विधायक पंकज सिंह ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) नोएडा शाखा के पूर्व अध्यक्ष डॉ एनके शर्मा के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजनीतिक, सामाजिक व चिकित्सा विषय पर चर्चा हुई।

डॉ एनके शर्मा के सेक्टर 22 एच ब्लॉक स्थित आवास पर विधायक पंकज सिंह पार्टी पदाधिकारियों के साथ पहुंचे। डॉ एनके शर्मा उनके परिजनों व अन्य लोगों ने विधायक श्री सिंह का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। डॉ शर्मा की आवास पर हुई शिष्टाचार भेंट में राजनीतिक, सामाजिक व चिकित्सा विषय पर विस्तार से वार्ता हुई। विधायक पंकज सिंह ने कहा कि वह क्षेत्र के लोगों की जन समस्याओं के निदान के लिए सदैव तत्पर हैं। इस मौके पर आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ एनके शर्मा ने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याओं को उनके सामने प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, भाजपा नेता महेश अवाना, चंदगी राम यादव, मंगूराम, पप्पू प्रधान, ओमवीर अवाना, विजय शर्मा,फोनरवा के पूर्व अध्यक्ष एन,पी सिंह राकेश दुआ, गोपाल गौड़, राकेश चौहान, गुड्डू नंबरदार, अशोक मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

समस्याओं से परेशान हैं सेक्टर-82 पॉकेट-7 के लोग

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए द्वारा ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 सेक्टर-82 में एक बैठक आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने की।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि लंबे समय से सीवर लगातार ओवर फ्लो हो रहे हैं लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ है। इस सम्बन्ध में अधिकारियों से मुलाकात के बाद आश्वासन दिया गया है कि सीवर की समस्या के समाधान के लिए स्टीमेट भेजा गया है जिसकी स्वीकृति के बाद स्थाई समाधान हो जाएगा। प्राधिकरण के खाली फ्लैटों का प्लास्टर पूरी तरह झड़ चुका है और जर्जर फ्लैट हादसों को दावत दे रहे हैं लिखित शिकायत कई बार की गई है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है। विवेक बिहार में पॉकेट 7 की बाउंड्री वाल से लगे गार्बेज रीसाइक्लिंग प्लांट के कारण इतनी बदबू आती है कि आस पास के ब्लॉक के लोगों का जीना दूभर हो गया है लेकिन अधिकारियों की उदासीनता से लोग बदबू में जीने को मजबूर हैं। पॉकेट में बिजली के कई खंभे गले हुए हैं और कई ब्लॉक में मीटर पैनल बॉक्स जर्जर हो चुके हैं जिनको विभाग ने एक वर्ष पहले बदलने को कहा था साथ ही ट्रांसफार्मर के पास खुले जाली के गेट भी खतरे को दावत दे रहे हैं। प्रमुख समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो जल्द मुख्यकार्यपालक अधिकारी और विद्युत विभाग के आला अधिकारियों से मिलकर अवगत कराया जाएगा।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, पप्पू सिंह, घनश्याम जोशी, मिथिलेश राय, अंगद सिंह तोमर, संजय पांडे, सुभाष शर्मा, राजवीर सिंह, विकास कुमार, रमेश चंद शर्मा, दीपक तिवारी, राजेश पाठक, बिजेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह,प्रकाश जोशी, दीपक मेहरा, सतपति, अनूप शर्मा, सेंसर पाल, संगम प्रसाद मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।